'तेरा वर्ष'

संबंधानुभूति सप्ताह – मैं और मेरे परमपिता

27.10.2013

1. स्वमान – मैं मास्टर ब्रह्मा हूँ।

- ब्रह्मा बाबा का शिवबाबा से अटूट प्यार रहा...प्रथम दिन से ही वे उन पर बलिहार हो गये...उनकी हर आज्ञा को सिर-माथे रखा...इसीलिये वे एक साधारण मानव से महामानव, आदिदेव ब्रह्मा बन गये...वे आजीवन शिव बाबा से ऐसे जुड़े रहे कि दोनों जैसे हमारे लिए एक ही हो गए और हम उन्हें प्यार से **'बापदादा'** पुकारने लगे...मैं भी ऐसे ही ब्रह्मा बाबा को फॉलो करने वाला मास्टर ब्रह्मा हूँ...।

2. योगाभ्यास –

अ. जैसे ब्रह्मा बाबा हर पल शिव बाबा की याद में रहने का पुरुषार्थ करते थे और साथ ही सबको याद भी दिलाया करते थे, वैसे ही मुझे फॉलो फादर कर खाते-पीते, उठते-बैठते, चलते-फिरते हर पल बाबा की याद रहना है और सबको याद दिलाना है...।

ब. ब्रह्मा बाबा के गुणों व विशेषताओं को स्वयं में लाने के लिए हम सब एक पुरुषार्थ अवश्य करेंगे कि अपने हर संकल्प, बोल व कर्म से पूर्व यह चेक करेंगे कि यदि ब्रह्मा बाबा मेरी जगह होते तो क्या करते...? यह सावधानी हमें ब्रह्मा बाबा के समान बनाता जाएगा।

स. अर्जुन ने जैसे परमात्मा से प्रीतबुद्धि होकर उन्हें अपना साथी बनाया और उनकी हर आज्ञा का पालन करते हुए विजयश्री को प्राप्त किया, वैसे ही हम भी परमात्मा पिता को अपना सदा का साथी बनाएँ, उनके साथ कम्बाइंड रहें...।

3. धारणा – समय और संकल्प को सफल करना

- जैसे ब्रह्मा बाबा ने संकल्प व समय को व्यर्थ न गंवाकर इन्हें पूरा-पूरा सफल किया, ऐसे फॉलो फादर।
- संगमयुग का एक सेकण्ड अन्य युगों के एक वर्ष के तुल्य है, इसलिए यदि एक सेकण्ड गँवाया तो एक सेकण्ड नहीं, बल्कि एक वर्ष गँवा दिया।

4. स्वचिंतन –

- मैं अपने संगम के अमूल्य समय को कैसे बिता रहा हूँ?
- कहीं मेरा समय व्यर्थ की बातों में तो व्यतीत नहीं हो रहा है?
- क्या सोचता हूँ मैं सारे दिन? क्या सचमुच इन संकल्पों की आवश्यकता है?
- कैसे सफल करूँ मैं अपने एक-एक सेकण्ड और एक-एक संकल्प को? इसकी योजना बनाएँ।

5. तपस्वियों प्रति – प्रिय तपस्वियों ! साकार में प्रभु मिलन की सुंदर वेला एक बार फिर से हम सबके लिए अपार खुशियाँ व असीम आनंद लेकर आ गयी है। हम सब कितने खुशनसीब हैं जो परमात्मा पिता को इस धरा पर पार्ट प्ले करते हुए देख रहे हैं और उनके साथ खुद भी पार्ट प्ले कर रहे हैं, उनके साथ सर्व संबंधों का सुख ले रहे हैं । सचमुच यह ऐसी वेला है जिसका गायन शास्त्र-पुराणों में किया जाएगा। तो आइये, इस वरदानी वेला का सम्पूर्ण आनंद उठायें, न कि व्यर्थ संकल्पों में इस अमूल्य समय को नष्ट करें।